BSES

हाई–टेक तकनीक ने बताया, किस गली में कितने लोग उड़ा रहे मुफ्त की बिजली

एक हफ्ते में पकड़ी 2 हजार किलोवॉट की बिजली चोरी

नई दिल्लीः 11 जनवरी, 2013। साउथ और वेस्ट दिल्ली में बीआरपीएल ने दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर, बिजली चोरी के खिलाफ मास रेड अभियान शुरू किया है। अभियान के एक हफ्ते के अंदर ही, 2 हजार किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी जा चुकी है। किसी भी अभियान के तहत, यह अब तक तक पकड़ी गई सबसे बड़ी बिजली चोरी है। गौरतलब है कि इतनी बिजली से मध्यम आय वर्ग के एक से दो हजार उपभोक्ताओं को बिजली दी जा सकती थी।

बीआरपीएल का यह मास रेड अभियान पूरी तरह से हाई–टेक है और इसीलिए, इतने बड़े पैमाने पर बिजली चोरी का पता लग पा रहा है। **नई तकनीकों की बदौलत बीएसईएस यह पता लगाने में सक्षम हो गई है कि किस गली या मोहल्ले में कितने लोग बिजली की चोरी कर रहे हैं।**

यह अभियान अगले दो महीनों तक जारी रहेगा। चौबीसों–घंटे और सातों दिन बिजली चोरी के खिलाफ अभियान को जारी रखा जाएगा। यह अभियान इतने बड़े पैमाने पर हो रहा है कि जिस दिन दिल्ली का तापमान 1.9 डिग्री सेल्शियस था, उस दिन भी बीआरपीएल एन्फोर्समेंट टीम ने दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर जबरदस्त छापेमारी करते हुए 150 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी थी। पिछले दिनों बीएसईएस एन्फोर्समेंट टीम पर हुए हमलों को देखते हुए इस बार के मास रेड अभियान में एन्फोर्समेंट कर्मियों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा गया है। लगभग सभी टीमों के साथ दिल्ली पुलिस के जवान भी रेड पर जा रहे हैं। एन्फोर्समेंट टीम का कहना है कि पुलिसकर्मियों की ओर से उन्हें पूरा सहयोग मिल रहा है।

हाई–टेक मास रेड

इस बार का मास रेड पूरा हाई–टेक है। चूंकि यह मास रेड है, इसलिए छापेमारी करने से पहले ही यह सुनिश्चित कर लिया जाता है कि सूचना सटीक और बिल्कुल सही हो। इसके लिए, साउथ और वेस्ट दिल्ली के सभी वितरण ट्रांसफॉर्मरों के डेटा को इकट्ठा कर, उसका विश्लेषण किया जाता है।

तकनीक बताती है, कितने लोग उड़ा रहे हैं मुफ्त की बिजली

बीएसईएस के सभी वितरण ट्रांसफॉर्मरों पर डेटा स्टोर करने वाले यंत्र लगे हुए हैं। उसका अध्ययन करने पर यह पता लग जाता है कि करीब कितने लोग मुफ्त की बिजली उड़ा रहे हैं। मान लीजिए किसी ट्रांसफॉर्मर से 100 उपभोक्ताओं को बिजली मिल रही है। बीआरपीएल ने उस ट्रांसफॉर्मर पर 100 यूनिट्स बिजली दी। लेकिन उसे सिर्फ 80 रूपये बिल भुगतान के रूप में मिले। समझना आसान है कि उन 100 उपभोक्ताओं में से करीब 20 उपभोक्ता बिजली की चोरी कर रहे हैं। उसके बाद अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर्स की मदद से उन करीब 20 उपभोक्ताओं की खोज कर ली जाती है, जो वास्तव में बिजली चोरी कर रहे हैं।

बीआरपीएल सीईओ श्री गोपाल सक्सेना के मुताबिक– ऐसा देखा गया है कि ठंड बढ़ने के साथ–साथ बिजली की चोरी भी बड़े पैमाने पर बढ़ जाती है। इस वजह से बिजली वितरण सिस्टम जैसे कि ट्रांसफॉर्मर, फीडर आदि ओवर–लोडेड हो जाते हैं। सिस्टम ओवर लोड होने की वजह से ट्रिपिंग बढ़ती है। यही नहीं, सिस्टम का ओवर लोडेड होना, सिस्टम की सुरक्षा के लिए भी खतरा है, जिससे इलाके का पूरा वितरण तंत्र क्षतिग्रस्त हो सकता है। मास रेड से सिस्टम पर ओवरलोड को कम करने में मदद मिलेगी।

बीआरपीएल के एक अधिकारी के मुताबिक, छापेमारी के साथ–साथ कंपनी उन इलाकों में अपनी सर्विस लाइनों के रखरखाव व उन्नतिकरण का काम भी कर रही है। साथ ही, लोगों को डोर स्टेप सर्विस के तहत बिजली के कनेक्शन भी दिए जा रहे हैं।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआपीएल व बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।